JKXADC

समय : २ घंटे | पूर्णांक : ५०

प्रश्न १. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या किजिए । (१४)

क) ''गरीब के मुँह पर छाती, मुट्ठियों और पैरों पर बरफ की हलकी-सी चादर चिपक गई थी। मानो दुनिया की बेहयाई ढकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफेद और ठंडे कफन का प्रबंध कर दिया था !''

अथवा

''वह जीवन अब उन्हें एक खोई निधि-सा प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि वह जिंदगी द्वारा ठगे गए हैं। उन्होंने जो कुछ चाहा, उसमें से उन्हें एक बूँद भी न मिली ।''

ख) ''दुरंत जीवन-शक्ती है । कठिन उपदेश है । जीना भी एक कला है । लेकीन कला ही नहीं तपस्या है । जियो तो प्राण ढाल दो जिन्दगी में, ढाल दो जीवन रस के उपकरणों में ।''

अथवा

''कलिकाल विकराल आ रहा था – भागा – भागा, सनातन धर्म, कर्मकाण्ड, वर्ण-व्यवस्था, सारे – का – सारा मण्डल जा रहा था भागा – भागा ; धर्म का लोप हो रहा था । परिवार टूट रहा था । अर्थ – टका – युग का उदय हो रहा था ।''

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (२०)

च) 'कफन' कहानी के माध्यम से तत्कालीन समाज की खोखली आदर्शवादिता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'अपराध' कहानी के माध्यम से अपराध भाव की अविस्मर्णीय घटना का मार्मिक चित्रण किजीए।

छ) 'गौरागाय' निबंध के माध्यम से गौरा गाय की मृत्यु की दुःखद घटना पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'राजर्षि का जीवन-दर्शन' निंबध के माध्यम से पुरुषोत्तम दास टंडन जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (६)

१) माधव की पत्नी का नाम बताइए ।
२) गजाधर बाबू कहाँ नौकरी करते थे ?
३) 'उमस' कहानी की लेखिका कौन है ?
४) कुटज पुष्प का रंग बताइए ।
५) उग्र जी अपनी माँ को क्या कहकर पुकारते थे ?
६) 'राजर्षि का जीवन-दर्शन' निबंध के लेखक का नाम बताइए ।

प्रश्न ४. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए । (१०)

ट) वैद्य जी का चरित्र - चित्रण ।

अथवा

सिद्धेश्वरी की विवशता ।

pdfMachine - is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Get yours now!
"Thank you very much! I can use Acrobat Distiller or the Acrobat PDFWriter but I consider your product a lot easier to use and much preferable to Adobe's" A.Sarras - USA